माँ को मिला खोये बेटे,मां ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

रांचीः दशहरे में घर वीरान था, दीपावली सूनी बीती और छठ में भी परिवार बेचैन था। लेकिन, 21 नवंबर की शाम संध्या देवी के घर हर त्यौहार से ज्यादा खुशी आयी। उनका 14 वर्षीय पुत्र मनीष चार माह बाद घर लौट आया।

रांची के रातू स्थित विंध्यवासिनी नगर निवासी दशरथ साव और संध्या देवी का पुत्र मनीष कुमार उर्फ गुल्ला इसी वर्ष 14 जुलाई को लापता हो गया था। उसके मातापिता ने न्याय के हर दरवाजे पर दस्तक - दी, लेकिन कहीं कोई उम्मीद की किरण नजर नहीं आयी। अंततः मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र में शिकायत दर्ज कराने के बाद मनीष के अपहर्ताओं पर शिकंजा कसा गया और आरोपियों ने उसे मुक्त कर दिया।

मनीष ने जन संवाद केंद्र में आकर अपनी आपबीती सुनायी। उसने बताया कि वो ट्रक चलाना सीखना चाहता था। 14 जुलाई को कुछ ट्रक चालक उसे अपने साथ ले गये थे। लेकिन उसे ट्रक चालकों ने बुढमू से भी आगे किसी अज्ञात जगह पर एक होटल में काम करने के लिए छोड़ दिया। मनीष की मां कांठीटांड़ चौक पर फल बेचती हैं, जबकि पिता दशरथ राज मिस्त्री हैं। मनीष के लापता होने के बाद मांबाप लगातार - थाने से लेकर कई वरीय पदाधिकारियों और विभिन्न दफ्तरों का चक्कर काटते रहे। उन्होंने ट्रक ड्राइवरों के नाम भी दिये। बावजूद इसके थाने से कोई सहयोग नहीं मिल रहा था। डेढ़ माह पूर्व इस मामले को लेकर संध्या देवी मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र में आयीं। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पुलिस हरकत मे आई, पूरे इलाके में खोजबीन शुरू हुई लेकिन मनीष का कोई सुराग हाथ ना लगा। इसके बाद पुलिस ने ट्रक चालकों पर दबाव बनाना शुरू किया, जिसका प्रतिफल यह हुआ कि मनीष को मुक्त कर दिया गया।

मनीष के घर लौटने के बाद उसकी मां ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। संध्या देवी कहती हैं कि अगर मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र की पहल न हुई होती, तो उनका बेटा शायद ही घर वापस लौटता। अब मनीष ने ट्रक चालक बनने की जगह अपनी पढ़ाई पूरी करने की ठानी है। वह पढ़ लिख कर समाजसेवा के क्षेत्र में काम करना चाहता है। मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र की कोशिश ने माँ को बिछड़े बेटे से मिला दिया।